Title : Need to conduct an enquiry into the procedure of admissions for SC/ST candidates into various Indian Institutes of Technology in the country .

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : ्सभापति महोद्य, मैं आपके माध्यम ्से ्बताना चाहूंगा कि पूरे देश में ्भारतीय प्रौद्योगिकी ्संस्थान (आई.आई.टी.) में प्रवेश के लिए प्र ात्येक ्वर्ा प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन कि्या जाता है। ्यह आयोजन दिल्ली, मुम्बई, कानपुर, ख्ड़गपुर, गुवाहाटी, ्बनार्स में स्थित ्संस्थानों के लि्ये करता है। इनमें अनुसूचित जाति के लि्ये 15 प्रति्शत, अनुसूचित जनजाति के लि्ये 7.5 प्रति्शत ्सीट आरक्षित हैं। लेकिन ्सदन को ्यह जानकर आ्श्चर्य होगा कि ्वर्ा 2004 में इन ्संस्थानों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लि्ये आरक्षित ्स्थानों को अ्भी तक नहीं ्भरा ग्या है । ्वर्ा 2004 में ्सामान्य श्रेणी ्से 4521 ्सीटों पर अनुसूचित जाति के 340 छात्र तथा अनुसूचित जनजाति के 58 छात्र और हैंडीकैप्ड 6 छात्रों को प्रवेश दि्या ग्या ज्ब कि इन ्संस्थानों में कुल ्सीटों की ्संख्या 4935 है।

्सभापति महोद्य : आप को ्ब्रीफ में कहना है।

श्री राजाराम पाल : ्सभापति जी, जो औ्सतन ्सामान्य छात्रों के लि्ये 3674 ्सीट हैं, ्वहीं अनुसूचित जाति के लि्ये 741, अनुसूचित जनजाति के लि्ये 371 और हैंडीकैप्ड के लि्ये 149 ्सीटें आरक्षण के तहत निर्धारित हैं। इस तरह अनुसूचित जाति के 741 ्स्थान के ्बदले 340, अनुसूचित जनजाति के 371 ्स्थानों के ्बदले 58 ्सीटों पर छात्रों को प्रवेश दि्या ग्या है। अनुसूचित जाति के 15 प्रति्शत आरक्षित ्स्थान में ्से 7 प्रति्शत जगहें, अनुसूचित जनजाति के लि्ये 7.5 प्रति्शत जगहों में ्से 1.3 प्रति्शत जगहों के आरक्षण का पालन कि्या ग्या है। ्यह दलितों के उत्पी्ड़न का मामला है और इन लोगों की प्रवेश प्रक्रि्या में ्भेद्भाव कि्या जा रहा है। अगर ्भारत ्सरकार का रवै्या ऐसा रहा तो दलित ्समाज क्भी ्भी ऊ्पर नहीं उठ पा्येगा। दलितों के लि्ये चुना्व में नारा देकर पार्टि्यां ्सत्ता हा्सिल करना चाहती हैं लेकिन दलितों को उनका हक नहीं देना चाहती है।

्सभापति महोद्य : राजाराम जी, ्यहां लिखकर नहीं पढ़ा जाता, के्वल ्ब्रीफ में अपनी ्बात कहनी होती है।

श्री राजाराम पाल : मैं अपनी पार्टी ्बहुजन ्समाज पार्टी की ओर ्से इस ्सम्पूर्ण मामले की जांच की मांग करता हूं। इ्समें ्भारत ्सरकार ह्स्तक्षेप करे और पूरे देश में जो (आई.टी.आई.) ्भारतीय प्रौद्योगिकी ्संस्थान में अनुसूचित जाति और जनजाति का कोटा नहीं ्भरा ग्या है और मैडिकल में जो ्भेद्भा्व ्बरता जा रहा है, उनका कोटा नहीं ्भरा जाता है, उ्सकी जांच करे। ्यही नहीं कक्षा एक ्से लेकर पो्स्ट ग्रेजुए्शन तक पूरे देश में शि्क्षा के क्षेत्र में आज अनुसूचित जाति और जनजाति का कोटा नहीं ्भरा जा रहा है।

्सभापति महोद्य : प्लीज कंक्लूड कीजिए। श्री ्शैलेन्द्र कुमार जी, आप ्बोलि्ये।

श्री राजाराम पाल : अतः मैं आपके माध्यम ्से य्.पी.ए. की ्सरकार ्से मांग करता हूं कि 57 ्साल की आजादी के ्बाद ्भी ्यदि आज ्भी "नॉट ्सूट्बल, नॉट अ् वेले्बल" की ्बात की जाती है तो मैं ्यह कहूंगा कि आरक्षण का जो ला्भ अनुसूचित जाति और जनजाति्यों के लोगों को मिलना था, उ्सका ्संविधान के ्भीतर कतई पालन नहीं कि्या जा रहा है। अतः मैं आपके माध्यम ्से केन्द्र ्सरकार ्से मांग करता हूं कि अनुसूचित जाति्यों और जनजाति्यों का आरक्षण का कोटा पूरा कि्या जाए।â€¦ (व्यवधान)

्सभापति महोद्य : आप कंक्लूड कीजिए। राजाराम जी, अ्ब आप रुक जाइ्ये, इ्सके ्बाद आपकी कोई ्बात रिकार्ड में नहीं जा्येगी। आप रिपीट कर रहे हैं। ्शैलेन्द्र जी, आप ्शुरू कीजिए।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : There is a limit to it. This is not to be recorded.

(Interruptions) â€¦*

्सभापति महोद्य : राजाराम जी, आपकी ्बात रिकार्ड पर आ गई है। इ्स्से पहले कि मैं और माननी्य ्सद्स्यों को ्बुलाऊं मैं आप्से एक ्बात कहना चाहता हूं कि जीरो ऑ्वर में मैटर पढ़ना नहीं है, ्बल्कि ्ब्रीफ में कुछ ्शब्दों में अपनी ्बात कहनी है।

श्री राजाराम पाल : ्यह ्बहुत महत्वपूर्ण मामला है।â€¦ (व्यवधान)

्सभापति महोद्य : ठीक है।